भारत सरकार

परमाणु ऊर्जा विभाग

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 1923

जिसका उत्तर दिनांक 05.08.2021 को दिया जाना है

मलजल अपशिष्ट के शोधन के लिए विकिरण प्रौद्योगिकी

1923 श्री कनकमेदला रवींद्र कुमार :

क्या **प्रधानमंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार ने नगरपालिका द्वारा मलजल अपशिष्ट का शोधन करने के लिए विकिरण प्रौद्योगिकी के उपयोग से मानव पर पड़ने वाले प्रभाव के संबंध में कोई अध्ययन किया है;

(ख) यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या यह सच है कि सरकार ने इस प्रौद्योगिकी का मानव पर पड़ने वाले इसके प्रभाव को पूरी तरह से पता किए बिना देश के कुछ हिस्सों में इस प्रौद्योगिकी को लागू किया है; और

(घ) यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है ?

उत्तर

राज्य मंत्री, कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन तथा प्रधानमंत्री कार्यालय (डॉ. जितेंद्र सिंह) :

(क) तथा (ख) जी, हां । गामा विकिरण का उपयोग कर मलजल स्लज की स्वच्छता संरक्षित प्रौद्योगिकी के रूप में स्थापित की गई है । यह स्लज से रोगजनकों को निकाल देता है और निपटान के लिए संरक्षित बनाता है । कई प्रयोगों में दर्शाया गया है कि स्वच्छ स्लज लाभदायक सूक्ष्म जीवों से समृद्ध होता है और इसमें अच्छे आर्गेनिक उर्वरक की क्षमता होती है । यह उल्लेखनीय है कि इसी प्रौद्योगिकी का उपयोग चिकित्सा उत्पादों के निर्जर्मीकरण और खाद्य संरक्षण के लिए किया जाता है जिसका उपयोग सीधे मानव द्वारा किया जाता है ।

(ग) तथा (घ) सरकार ने क्रियान्वयन से पहले इस प्रौद्योगिकी के प्रभाव की जांच की है जिसका प्राथमिक लक्ष्य सार्वजनिक स्वास्थ्य एवं पर्यावरण संरक्षण करना है ।

* * * * *